ऊर्जा की स्कैनिंग और उपाय

सप्ताह के कुल 168 घंटों में से करीब 50 घंटे हम अपने कार्यालयों या काम करने की जगह पर बिताते हैं। अगर आने जाने में लगने वाले 15 घंटें और कम कर दिये जायें तो भी औसतन हम हर सप्ताह करीब 100 घंटे अपने घर पर बिताते हैं। घर ही वह जगह है जहां हमें सबसे ज्यादा सुरक्षित महसूस करना चाहिए। लेकिन घर में अगर नकारात्मक शक्तियां बढ़ी हुई हों तो इसका घर में रहने वाले के स्वास्थ्य और भावनाओं पर बुरा असर पड़ता है। आप अपनी नंगी आंखों से ऊर्जा को देख नहीं सकते लेकिन निश्चित रूप से अपनी आंतरिक भावनाओं पर इसके प्रभाव को महसूस कर सकते हैं। घर की नकारात्मक ऊर्जा आपके महत्व को कम कर सकती है, आपके आत्मविश्वास को नष्ट कर सकती है और आपकी प्रगति को अवरुद्ध कर सकती हैं।

जब आप साफ-सुथरे कमरे में प्रवेश करते हैं तो आपको अच्छा लगता है लेकिन अगर आप गंदे कमरे में प्रवेश करते हैं तो खराब लगता है। घर मे अगर सब कुछ तरीके से रखा हो तो सकारात्मक ऊर्जा महसूस होती है लेकिन जब सबकुछ अस्त व्यस्त हो तो नकारात्मक ऊर्जा का घर हो जाता है। इसका कारण यह है कि बिखरे सामान नकारात्मक ऊर्जा को आकृष्ट करते हैं। इसीलिए जब-जब आप सफाई करते हैं, तब-तब आप अपने, आप नकारात्मक ऊर्जा को दूर करते होते हैं। घर का हर फर्नीचर

किसी न किसी प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करता है। पहने जा चुके कपड़े और जूता-चप्पल बड़ी मात्रा में नकारात्मक ऊर्जा उत्सर्जित करते हैं। हम अपने घर मे बहुत सी ऐसी चीजों का इस्तेमाल करते हैं, जो जिन चीजों से बनी होती हैं, वे बड़ी मात्रा में नकारात्मक ऊर्जा उत्सर्जित करती हैं। उदाहरण के तौर पर बिजली से चलने वाले टेलीविजन और कम्प्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान को लिया जा सकता है। ये नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। देखने में तो यह भी आया है कि घर में सजावट के लिए रखे गये कुछ खास प्रकार के पौधे भी नकारात्मक ऊर्जा पैदा करते हैं। लेकिन इन सबके बिना हम जी कैसे पायेंगे? हम अपने घर या कार्यालय से नकारात्मक ऊर्जा के स्रोतों को हमेशा के लिए खत्म नहीं कर पायेंगे, लेकिन हम सकारात्मक ऊर्जा के स्रोतों को बढ़ा जरूर सकते हैं ताकि नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो सके और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ी रहे।

आज हमारे पास नकारात्मक ऊर्जा को पहचानने का उपाय है और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने के तरीके भी हैं। पहला कदम यह होता है कि हर कमरे की स्कैनिंग कर यह पता लगाया जाये कि किस फर्नीचर, सामान या रंग से नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न हो रही है। एक बार यह पता लग जाये कि कमरे के किस क्षेत्र में नकारात्मक ऊर्जा है तो अगले कदम के रूप में वहां सकारात्मक ऊर्जा के स्रोतों को स्थापित करना होता है। संसार में सकारात्मक ऊर्जा का इकलौता स्रोत ब्रह्मांड है। हमें ऐसी चीजों का इस्तेमाल करना होता है जो ब्रह्मांड से सकारात्मक ऊर्जा आकृष्ट कर हमारे घरों में

ले आये। इसके लिए पिरामीड सबसे बढ़िया होता है क्योंकि इसकी डिजाइन ही ऐसी है कि वह ब्रह्मांड से सकारात्मक ऊर्जा को आकृष्ट कर आसपास फैला दे। पिरामीड अपनी खास आकृति के कारण सूर्य और आकाश की ऊर्जाओं से गूंजायमान होता है। अपनी खास आकृति के कारण पिरामीड चारो दिशाओं, धरती और ब्रह्मांड से अपना संबंध बनाये रखता है। पिरामीड का यह छहस्तरीय आपसी संपर्क आपके घर को सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रखता है। कोई विशेषज्ञ आपके घर की स्कैनिंग करने के बाद पिरामीडों के समुचित उपयोग से आपके घर की नकारात्मक ऊर्जा को सदा के लिए खत्म कर सकारात्मक उर्जा का भंडार निर्मित कर सकता है।

लेखक इंजीनियर हैं और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में उच्चाधिकारी रह चुके हैं। फिलहाल वे भूदोष वास्तु सलाहकार के रूप में हैदराबाद मे रह रहे हैं। उनसे www.karmicvastu.com या उनके मोबाइल नम्बर 099893-00733 पर संपर्क किया जा सकता है।